

खबर संक्षेप

4 अक्टूबर को होगा क्रिकेट ट्रायल, खिलाड़ियों से रजिस्ट्रेशन कराने की अपील



मण्डला। जिले में वर्ष 2026-27 के लिये डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन मंडला ने संभागीय क्रिकेट संघ के निर्देश पर विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ियों की पंजीयन प्रक्रिया प्रारम्भ कर रहा है। आने वाली अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में अंडर 14 बालक वर्ग के संभाग स्तरीय टूर्नामेंट प्रारम्भ की सम्भावना के चलते मंडला जिले में अंडर 14 बालक खिलाड़ियों का ट्रायल होना है। सचिव अजय मिश्रा ने बताया है कि जिले के सभी आयु वर्ग के खिलाड़ियों का पंजीयन मेकल क्रिकेट एकेडमी स्टेडियम ग्राउंड मंडला में प्रारम्भ हो चुका है। सभी खिलाड़ी कोच बसंत ठाकुर, युवराज यादव से शाम 4 बजे से 6 बजे के मध्य अपने दस्तावेज आधार कार्ड, डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र एवं फोन नंबर निर्धारित शुल्क सहित पंजीयन करवा सकते हैं। अंडर 14 बालक वर्ग के खिलाड़ी अखिलम्व पंजीयन करा लेवें। विदित हो कि आने वाली 4 अक्टूबर दिन रविवार को स्टेडियम ग्राउंड मंडला में 10बजे सुबह से अंडर 15 एवं अंडर 22 बालक वर्ग की ट्रायल प्रक्रिया आयोजित होगी, मंडला जिले के जो खिलाड़ी ट्रायल में शामिल होना चाहते हैं वे समय पूर्व पंजीयन करा लेवें। ट्रायल में सभी चयनकर्ता उपस्थित रहेंगे... सभी क्लब अपने अपने खिलाड़ी प्रतिभागी को पंजीयन कराने हेतु प्रोत्साहित करें ता कि समय पर जिले की टीम घोषित की जा सके।

वडनगर-वाराणसी सेवा संकल्प यात्रा के बाइकर्स का जिले में हुआ आगमन

नगर के समीप ग्राम जारगी में हुआ भव्य स्वागत



* प्रमारी मंत्री एवं केबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उड़के ने किया कलश पूजन।

हरिभूमि न्यूज | मण्डला

वडनगर-वाराणसी सेवा संकल्प यात्रा के अंतर्गत जिले में पहुंची बाइकर्स यात्रा का ग्राम जारगी में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि

मंडला के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उड़के उपस्थित रहें। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा माता खरमाई के दर्शन एवं पूजन के साथ हुई। इसके पश्चात सेवा संकल्प यात्रा के साथ पहुंचे कलश का विधिवत स्वागत कर पूजन किया गया। अतिथियों ने अमर शहीद राजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर शासकीय स्नातक महाविद्यालय नैनपुर के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का उत्साहपूर्वक आनंद लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री श्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि सेवा संकल्प यात्रा देश की विकास यात्रा और जनकल्याणकारी योजनाओं के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मंत्री श्रीमती संपतिया उड़के ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे कृषि उत्पादन एवं किसानों की आय में वृद्धि हो सके। इस दौरान नगरपालिका

नैनपुर अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी, वरिष्ठ समाजसेवी श्री प्रफुल्ल मिश्रा, एसडीएम श्री शैलेन्द्र चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। स्वागत कार्यक्रम के पश्चात मोहनटोला में पीएम आवास योजना के हितग्राहियों से संवाद भी किया गया एवं युवा संवाद, रेवांचल पार्क स्थित रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।



उद्यान विभाग के पौध विक्रय केंद्र का हुआ शुभारंभ



मण्डला। आमजन को औषधीय एवं सजावटी पौधे उचित एवं न्यूनतम शुल्क पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कार्यालय सहायक संचालक, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग मंडला द्वारा पौध विक्रय केंद्र सैलिंग प्लांट का शुभारंभ किया गया। पौध विक्रय केंद्र का शुभारंभ अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शैलेन्द्र चौधरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर सहायक संचालक उद्यान सुश्री दीपा कुलेश एवं वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी पंकज मरकाम उपस्थित रहे। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शैलेन्द्र चौधरी के सुझाव पर प्रारंभ किए गए इस पौध विक्रय केंद्र के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न प्रकार के औषधीय एवं सजावटी पौधे आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे। केंद्र पर क्रोटोन, एरिका पाम, रबर प्लांट सहित अन्य उपयोगी एवं आकर्षक पौधे उचित न्यूनतम शुल्क पर प्राप्त किए जा सकेंगे।

खाद्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण में मिली अनियमितताएं

* सुधार सूचना पत्र जारी।

हरिभूमि न्यूज | मण्डला

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के तहत खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं खाद्य कारोबार के नियमानुसार संचालन को सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायत के निराकरण हेतु बिछिया तहसील के ग्राम फोंड सिझोरा स्थित सतीश जनरल फेड किराना स्टोर्स का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बिना निर्धारित पंजीयन के खाद्य कारोबार संचालित करना पाया गया। प्रतिष्ठान में लगभग 400 रुपये मूल्य की अवसान तिथि (एक्सपायरी) वाली



खाद्य सामग्री भी मिली, जिसे मौके पर नियमानुसार नष्ट कराया गया।

इसी प्रकार 28 सितंबर को नगर पालिका के संयुक्त दल के साथ चौपाटी क्षेत्र स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।

कमल चाट भंडार एवं श्रीनाथ पाव भाजी केंद्र में खाद्य सुरक्षा संबंधी कमियां पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 32 के तहत सुधार सूचना पत्र जारी किए गए। वहीं नगर पालिका के संयुक्त दल द्वारा दोनों प्रतिष्ठानों पर 500-500 रुपये का सॉफ्ट फाइन किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य कारोबारकर्ताओं को स्वच्छता बनाए रखने, खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा एक्सपायरी एवं अनुपयुक्त खाद्य सामग्री के विक्रय से बचने के संबंध में जागरूक किया गया। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने कारोबारकर्ताओं से निर्धारित नियमों एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने की अपील की है।

घर में सो रहे बुजुर्ग की हत्या, खाना खाकर सोए थे पति-पत्नी

* गले पर धारदार

हथियार से वार के निशान।

हरिभूमि न्यूज | मण्डला

मंडला के भैंसवाही गांव में मंगलवार सुबह 83 साल के सोहन सिंह सरोते का शव उनके घर में मिला। उनके गले पर धारदार हथियार से चोट के निशान थे। पुलिस को शक है कि उनकी हत्या की गई है।

सोहन सरोते अपनी पत्नी के साथ स्कूल टोला में रहते थे। उनके बच्चे अलग रहते हैं। सोमवार रात उन्होंने खाना खाया और सो गए। मंगलवार सुबह पत्नी ने सोहन को मृत देखा। उन्होंने तुरंत अपने बेटे अतुल को बताया, जिसने पुलिस को खबर दी। खबर मिलते ही सलवाह



चौकी और घुघरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। बालाघाट से फॉरेंसिक टीम भी बुलाई गई, जिसने घटनास्थल से सबूत जमा किए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। एडिशनल एसपी शिवकुमार वर्मा ने बताया कि सोहन सिंह गुनिया (जादू टोने) का काम करते

थे। शुरुआती जांच में लग रहा है कि उनका गला किसी धारदार हथियार से काटा गया है। बिछिया एसडीओपी और घुघरी थाना प्रभारी समेत कई पुलिस अधिकारी मौके पर हैं और जांच कर रहे हैं। पुलिस हत्या के कारणों और आरोपी का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

आयोजन

ग्राम नेवसा (मुआ बिछिया) में श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन।

पिता के कर्म और आशीर्वाद से ही पुत्र की उन्नति-ऋषि महाराज

* 27 सितंबर से 3 अक्टूबर तक चलेगी कथा।

हरिभूमि न्यूज | मण्डला | मुआबिछिया

ग्राम नेवसा (मुआ बिछिया) में स्वर्गीय शंभू सिंह राजपूत की वार्षिक पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ में श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराया जा रहा है। दिनांक 27 सितंबर से 3 अक्टूबर 2026 तक आयोजित इस धार्मिक आयोजन में श्रीश्री 1008 पीठाधीश्वर श्रद्धेय



ऋषि महाराज, टीकमगढ़ के मुखारविंद से श्रीमद् भागवत महापुराण की अमृतमयी कथा का वाचन किया जा रहा है। कथा के दौरान ऋषि महाराज ने पितृपक्ष के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पितरों का स्मरण, उनका सम्मान एवं उनके निमित्त धार्मिक अनुष्ठान भारतीय सनातन परंपरा में विशेष महत्व रखते हैं। पितृपक्ष के अवसर पर श्रीमद् भागवत

महापुराण का आयोजन करना, कथा का श्रवण करना तथा दूसरों को कथा सुनाना विशेष पुण्यदायी माना गया है।

उन्होंने कहा कि पिता के कर्म, संस्कार और आशीर्वाद से ही पुत्र के जीवन में उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है। माता-पिता द्वारा दिए गए संस्कार और उनके आशीर्वाद जीवन की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने माता-पिता एवं पितरों का सम्मान करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए।

श्रद्धेय महाराज जी ने कहा कि श्रीमद् भागवत केवल एक धार्मिक ग्रंथ ही नहीं, बल्कि जीवन को सदाचार, सत्य, भक्ति, सेवा और संस्कारों की दिशा देने वाला महान ग्रंथ है। भागवत कथा के श्रवण से मनुष्य को जीवन के वास्तविक उद्देश्य को समझने तथा धर्म और संस्कारों के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। ग्राम नेवसा में चल रहे इस आयोजन में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर कथा का श्रवण।

कान्हा में मिला 11 महीने के बाघ शावक का शव

* शरीर पर चोट के निशान।

हरिभूमि न्यूज | मण्डला

मंडला के कान्हा टाइगर रिजर्व के कान्हा परिक्षेत्र में सोमवार को 11 महीने की मादा बाघ शावक का शव मिला। गश्ती दल को शव नकटी घाटी बोट के कक्ष क्रमांक 138 में मिला। शावक के शरीर पर चोट और संघर्ष के निशान थे।

पदचिह्न और खून के निशान से चला पता

गश्ती दल को क्षेत्र में पहले बाघ के पदचिह्न और खून के निशान दिखाई दिए थे। इसके बाद आसपास तलाश की गई, जहां



शावक का शव मिला। प्रारंभिक जांच में आंशका जताई गई कि किसी बड़े वन्यजीव के साथ संघर्ष के दौरान शावक की मौत हुई। पोस्टमार्टम में मादा और उम्र 11 महीने मिली: वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संदीप

अग्रवाल और पशु चिकित्सक डॉ. ललित चौरसिया ने शावक का शव परीक्षण किया। इसमें उसकी उम्र करीब 11 महीने और लिंग मादा पाया गया।

फॉरेंसिक जांच के लिए सैपल लिए

कान्हा टाइगर रिजर्व के उप संचालक (कोर) पीके वर्मा ने बताया कि मौके की स्थिति और शरीर पर मिले चोट के निशानों के आधार पर किसी बड़े बाघ या अन्य मांसाहारी वन्यजीव से संघर्ष में शावक की मौत होने की आशंका है। फॉरेंसिक जांच के लिए नमूने लिए गए हैं। एनटीसीए प्रोटोकॉल के तहत शव का दाह-संस्कार कर दिया गया।



खबर संक्षेप

पंचायत उप निर्वाचन में जिले में 64.27 प्रतिशत मतदान

डिंडोरी। पंचायत उप निर्वाचन 2026 पूर्वार्द्ध के अंतर्गत जिले के निर्धारित मतदान केंद्रों पर मंगलवार को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से मतदान संपन्न हुआ। जिले में कुल 64.27 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। विकासखंडवार मतदान प्रतिशत में समनापुर में सर्वाधिक 71.81 प्रतिशत, अमरपुर में 66.74 प्रतिशत तथा करंजिया में 62.61 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान के दौरान सभी निर्धारित केंद्रों पर मतदान दलों ने निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रक्रिया संपन्न कराई। मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग किया। स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए मतदान केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा मतदान प्रक्रिया के दौरान मतदान केंद्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं एवं आवश्यक तैयारियों की लगातार निगरानी की गई। मतदान दलों ने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपने दायित्वों का निर्वहन किया। अधिकारियों की सतत निगरानी एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के बीच जिले में पंचायत उप निर्वाचन की मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।



जिला स्तरीय कबड्डी स्पर्धा में 250 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए उत्कृष्ट खिलाड़ियों का चयन

डिण्डौरी। शालेय खेल कैलेंडर वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिला स्तरीय कबड्डी विद्यालय स्पर्धा का आयोजन सांदीपन विद्यालय खुड़िया के इंडोर हॉल में किया गया। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन एवं सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य

राजेंद्र कुमार जाटव के मार्गदर्शन में आयोजित प्रतियोगिता में जिले के सातों विकासखंडों से चयनित खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में अमरपुर, समनापुर, मेहंदवानी, बजाग, करंजिया, डिण्डौरी एवं शहपुरा विकासखंड की खंड स्तरीय प्रतियोगिताओं में चयनित टीमों ने हिस्सा लिया। स्पर्धा में छात्र-छात्राओं सहित करीब 250 खिलाड़ी, कोच



एवं मैनेजर उपस्थित रहे। जिला क्रीड़ा प्रभारी पुरुषोत्तम सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का प्रदर्शन किया। जिला स्तरीय स्पर्धा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है। चयनित खिलाड़ी आगामी दिनों में मंडला जिले के नैनपुर में आयोजित होने वाली संभाग

स्तरीय प्रतियोगिता में डिण्डौरी जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में प्राचार्य अमर सिंह ठाकुर, प्रशिक्षक धर्मेन्द्र मार्को, गर्जेंद्र वर्मा, मोनू जाटव, रोहित चंद्रौल, डॉ. कविता छीरसागर, मिथलेश नरते, नारायण मरावी, सुनील मरकाम, अनुसुइया वालरे, दिव्यांशु सिंह, कृष्णकांत सिंह, सोनू जजापति, शिवानी धाकड़ एवं अरुण मौर्य सहित अन्य का सराहनीय सहयोग रहा।

हृदय रोगों से बचाव का संदेश, जिला अस्पताल में ‘डोट मिस ए बीट’ थीम पर जागरूकता कार्यक्रम



डिंडौरी। विश्व हृदय दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय डिंडौरी में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज पाण्डेय के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम को इस वर्ष की थीम ‘डोट मिस ए बीट’ रही। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और हृदय रोगों से बचाव के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. रमेश सिंह मरावी, डॉ. प्रदीप गोहिया, शिशु रोग विशेषज्ञ, आरकेएसके कॉर्निनेटर ओम प्रकाश उरेती एवं डीईआईसी मैनेजर कमलेश रामटेके सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। भारत इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एवं नर्मदा पैरामेडिकल कॉलेज की छात्राओं ने भी कार्यशाला में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। जागरूकता कार्यशाला में चिकित्सकों

ने हृदय रोगों के प्रमुख कारण, लक्षण, जोखिम कारक एवं बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने उच्च रक्तचाप, मधुमेह, असंतुलित खान-पान, शारीरिक गतिविधियों की कमी, तनाव एवं तंबाकू सेवन को हृदय रोगों के प्रमुख जोखिम कारकों में शामिल बताया। कार्यशाला में संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने, नियमित शारीरिक गतिविधियां करने, पर्याप्त नौंद लेने, तनाव को नियंत्रित रखने तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने के महत्व पर जोर दिया गया। साथ ही हृदयाघात के शुरुआती लक्षणों को पहचानकर समय पर चिकित्सा सहायता लेने के लिए भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को स्वयं हृदय स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने तथा परिवार और समुदाय के लोगों तक भी जागरूकता का संदेश पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर नागरिकों से हृदय स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर हृदय रोगों के जोखिम को कम करने की अपील की गई।

जिला अस्पताल की सेंट्रल लैब में जांचें टप, मरीज परेशान

डिंडौरी। जिला अस्पताल की आउटसोर्स सेंट्रल लैब में पिछले करीब एक सप्ताह से सामान्य रक्त एवं मूत्र जांच प्रभावित होने से मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। सिकल सेल बीमारी की पुष्टि के लिए आवश्यक एचबी वेरिएंट किट उपलब्ध नहीं होने से जांच प्रक्रिया पर भी असर पड़ रहा है। ऐसे में मरीजों को जांच के लिए निजी पैथोलॉजी केंद्रों का रुख करना पड़ रहा है। मामले की जानकारी सामने आने के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने संबंधित एजेंसी को नोटिस जारी कर व्यवस्था तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। जिला अस्पताल के ऊपरी भवन में संचालित पैथोलॉजी लैब का संचालन आउटसोर्स एजेंसी साइंस हाउस द्वारा किया जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन द्वारा एजेंसी को नियमित रूप से भुगतान किए जाने के बावजूद जांच सेवाओं में व्यवधान सामने आने से व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। जिला अस्पताल की लैब में प्रतिदिन औसतन 150 से 200 सैंपल जांच के लिए पहुंचते हैं।

जबलपुर मेजे जा रहे सैंपल

जिला अस्पताल में स्थानीय स्तर पर रक्त एवं मूत्र की जांच नहीं हो पाने के कारण सैंपल बस के माध्यम से जबलपुर भेजे जा रहे हैं। इससे जांच रिपोर्ट मिलने में अतिरिक्त समय लग रहा है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार प्रतिदिन बड़ी संख्या में सैंपल जबलपुर भेजे जा रहे हैं। स्थानीय स्तर पर जिन जांचों की रिपोर्ट कुछ घंटों में मिल जाती थी, उनके लिए अब मरीजों को एक से दो दिन तक इंतजार करना पड़ रहा



है। इसका सीधा असर मरीजों के उपचार पर पड़ने की बात सामने आ रही है। सीबीसी यानी कम्प्लीट ब्लड काउंट सामान्य लेकिन महत्वपूर्ण रक्त जांच है, जिसके माध्यम से लाल रक्त कोशिकाओं, सफेद रक्त कोशिकाओं और प्लेटलेट्स सहित रक्त से संबंधित विभिन्न मानकों की जानकारी मिलती है। वहीं यूरिन टेस्ट के माध्यम से मूत्र मार्ग के संक्रमण, मधुमेह तथा किडनी से संबंधित समस्याओं की पहचान में मदद मिलती है। सिकल सेल की जांच के लिए

एचबी वेरिएंट टेस्ट महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से रक्त में मौजूद हीमोग्लोबिन के विभिन्न प्रकारों की पहचान की जाती है। जिले में सिकल सेल बीमारी से प्रभावित लोगों की संख्या को देखते हुए जांच किट की उपलब्धता को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विभागीय स्तर पर जिले में सिकल सेल स्क्रीनिंग का बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिला अस्पताल के अलावा जिले के विक्रमपुर, शहपुरा, मेहंदवानी, समनापुर, अमरपुर, बजाग और करंजिया स्थित

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी साइंस हाउस द्वारा पैथोलॉजी सेवाओं का संचालन किया जा रहा है। इन केंद्रों पर भी जांच सेवाओं में व्यवधान की शिकायतें सामने आने की बात कही जा रही है। हालांकि संबंधित केंद्रों पर जांच की वास्तविक स्थिति को लेकर स्वास्थ्य विभाग से विस्तृत जानकारी अपेक्षित है।

निजी पैथोलॉजी पर बढ़ रहा निर्भरता का दबाव

जिला अस्पताल की पैथोलॉजी में नियमित और आवश्यक जांच प्रभावित होने से मरीजों को निजी पैथोलॉजी केंद्रों पर निर्भर होना पड़ रहा है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों पर अतिरिक्त भार पड़ने की बात सामने आई है। कांग्रेस सेवा दल यंग ब्रिगेड के अध्यक्ष अनुल जैन ने अस्पताल की जांच व्यवस्था में सुधार की मांग करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि सरकारी अस्पताल में कम लागत पर उपलब्ध होने वाली जांचों के लिए मरीजों को निजी केंद्रों पर अधिक राशि खर्च करनी पड़ रही है।

इनका कहना है -

जिला अस्पताल में रक्त और मूत्र की जांच प्रभावित हो रही है। सिकल सेल जांच के लिए एचबी वेरिएंट किट की भी कमी है। संबंधित एजेंसी को नोटिस जारी कर तत्काल व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

डॉ. मनोज पांडे, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डिंडौरी



प्राकृतिक खेती से कम लागत में गुणवत्तापूर्ण उत्पादन पर जोर

डिंडौरी। विकासखंड समनापुर के ग्राम मोहदा में आत्मा परियोजना के अंतर्गत कृषक खेत पाठशाला एवं प्राकृतिक खेती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती की तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर कम लागत में गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित एवं टिकाऊ कृषि उत्पादन के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र डिंडौरी के वैज्ञानिक डॉ. के.के. देशमुख एवं डॉ. पी.एल. अंबुलकर, वरिष्ठ कार्यक्रम सहायक अवधेश पटेल, भारतीय किसान संघ से खमोद चंदेल, बीटीएम समनापुर संतोष उड्डे एवं कृषि सखी मनीता चंदेल सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। वरिष्ठ कार्यक्रम सहायक अवधेश पटेल ने किसानों को जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत, दशपणों अर्क, ब्रह्माक्ष, नीम काढ़ा, मल्लिच, फसल विविधीकरण एवं अंतरवर्ती फसल प्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने जैविक कीट एवं रोग प्रबंधन की तकनीकों को खेत में विकसित प्राकृतिक खेती मॉडल के माध्यम से समझाते हुए किसानों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. पी.एल. अंबुलकर ने मुख्य फसलों के साथ हैंचा, अहरर एवं अन्य दलहनी फसलों को शामिल करने के फायदे बताए। उन्होंने बताया कि दलहनी फसलों की जड़ों में पाए जाने वाले राइजोबियम जीवाणु वायुमंडलीय नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करते हैं, जिससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलती है। उन्होंने सहजन जैसे बहुउपयोगी पौधों के माध्यम से पोषण सुरक्षा, अतिरिक्त आय एवं जैव विविधता को बढ़ावा देने की जानकारी दी। साथ ही रामलिल की फसल में अमरबेल के प्रबंधन के उपाय भी बताए। वैज्ञानिक डॉ. के.के. देशमुख ने कृषि के साथ पशुपालन को जोड़ने, खेत पर गुणवत्तापूर्ण बीज तैयार करने एवं बीज संरक्षण की प्रक्रिया समझाई। उन्होंने पशुपालन, कृत्रिम गर्भाणन, किसान क्रेडिट कार्ड, पशु टीकाकरण एवं बकरी पालन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी भी किसानों को दी। बीटीएम संतोष उड्डे ने कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं अनुदान संस्थी प्राधनानों की जानकारी देते हुए सॉफ्टवेयर सेट, पाप लाइन, कृषि यंत्र, खेत तालाब, हैप्पी सीडर एवं सुपर सीडर सहित अन्य योजनाओं के लाभ और आवेदन प्रक्रिया के बारे में बताया। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण, बीज संरक्षण तथा कृषि विभाग की योजनाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त की। अंत में बीटीएम संतोष उड्डे ने अतिथियों एवं किसानों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी नागरिकों की समस्याएं



डिंडौरी। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित 50 आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों का परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान मौके पर निराकरण योग्य प्रकरणों का तत्काल समाधान किया गया, जबकि अन्य मामलों में आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा निर्धारित की गई।

सक्का-अमरपुर मार्ग पर घंटों लगा जाम, राहगीर और वाहन चालक परेशान

अमरपुर। मंडला-डिंडौरी मार्ग के निर्माण कार्य के चलते सक्का क्षेत्र के गांवों और राहगीरों की परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि सड़क निर्माण के दौरान की गई भारी खुदाई और सड़क के ऊंचे किए जाने के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा है। बारिश के दिनों में इस मार्ग पर आए दिन जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क निर्माण के चलते सक्का क्षेत्र में पेयजल की समस्या भी उत्पन्न हुई है। गांवों इस संबंध में कई बार जिला प्रशासन से शिकायत कर समस्या के निराकरण की मांग कर चुके हैं। वहीं, सड़क की ऊंचाई बढ़ने के



कारण पैदल यात्रियों और दोपहिया वाहन चालकों को भी आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे अमरपुर की ओर जाने वाले मार्ग पर एक ट्रक



सेवा पखवाड़े के तहत शांति धाम परिसर में हुआ पौधरोपण

डिंडौरी। सेवा पखवाड़े के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शांति धाम परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला युवा अधिकारी अनघ त्रिवेदी के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में युवाओं एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष महेश धूमकेती सहित मेकलसुता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बिहारी लाल द्विवेदी, एसएसआई प्रवीण खम्मरिया, एसआई खुब सिंह ठाकुर एवं एचडीएफसी से आलोक द्विवेदी उपस्थित रहे। माय भारत टीम के सदस्यों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। इस दौरान अतिथियों, युवाओं एवं स्थानीय नागरिकों ने शांति धाम परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों के महत्व तथा पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण के संबंध में जानकारी दी गई। अतिथियों ने कहा कि केवल पौधरोपण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों का संरक्षण एवं उनकी नियमित देखभाल भी सामूहिक जिम्मेदारी है। पौधों के संरक्षण से पर्यावरण को बेहतर बनाने के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं हरित वातावरण तैयार किया जा सकता है। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं नागरिकों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ वातावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं एवं स्थानीय नागरिकों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर योगदान देने का संकल्प लिया।

फंस गया, जिसके चलते सड़क पर जाम लग गया। जाम के कारण यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में अतिरिक्त समय लगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या एक-दो दिनों की नहीं, बल्कि पिछले करीब तीन वर्षों से बनी हुई है। क्षेत्रवासियों के मुताबिक, डीजल-पेट्रोल टैंकरों सहित अन्य मालवाहक वाहनों के आवागमन में भी परेशानी हो रही है। बारिश के दौरान स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। गांवियों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कर मार्ग को सुचारु बनाया जाए, ताकि क्षेत्र की जनता को आवागमन की बेहतर सुविधा मिल सके।

खबर संक्षेप

नलों में आ रहा बदबूदार और गंदा पानी

गोटेगांव। गोटेगांव के वार्ड नं.- 14 भगत सिंह वार्ड, जागृति नगर में पिछले एक माह से अधिक समय से ट्यूबवेल से गंदा एवं दूषित पानी आने से वार्डवासी परेशान हैं। वार्डवासियों ने कलेक्टर नरसिंहपुर को ज्ञापन सौंपकर समस्या के शीघ्र निराकरण की मांग की है। वार्डवासियों द्वारा सौंपे गए शिकायत पत्र में बताया गया कि ट्यूबवेल से आ रहे पानी में बखू और गंदगी है, जिसके कारण पीने एवं दैनिक उपयोग में काफी परेशानी हो रही है। इस दूषित पानी से बच्चों, बुजुर्गों सहित सभी वार्डवासियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। वार्डवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित कर ट्यूबवेल एवं पानी की पाइपलाइन की जांच कराई जाए, पानी का सैपल लेकर गुणवत्ता की जांच की जाए तथा आवश्यक सफाई एवं मरम्मत कराई जाए। जब तक स्थायी समाधान नहीं होता, तब तक शुद्ध पेयजल की वैकल्पिक व्यवस्था कराने की भी मांग की गई है। इस मौके पर बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित थे।

विभाग स्तरीय संस्कृति महोत्सव का आयोजन



नरसिंहपुर। सरस्वती शिक्षा परिषद के मार्गदर्शन में गंगानगर जबलपुर में आयोजित विभाग स्तरीय संस्कृति महोत्सव में सरस्वती शिशु उत्कृतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर का सराहनीय प्रदर्शन रहा। शारद्रीय गायन किशोर् वर्ग में हिमांशु श्रीवास्तव तथा एकल भजन शिशु वर्ग में पायल चैवरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बाला वर्ग शास्त्रीय गायन में हर्षिता श्रीवास्तव ने द्वितीय तथा चित्रकला व्यक्तित्वत गीत में आनंद अलवाल तथा धीपा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गढ़ा फाटक जबलपुर में आयोजित विभाग स्तरीय विद्यान, दिकिक गणित प्रतियोगिता में शिशु वर्ग से जन्मत बी ने नवाचार पर आभारित विद्यान मॉडल में प्रथम स्थान तथा किशोर् वर्ग विद्यान मॉडल में कुश राय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वैदिक गणित बाल वर्ग में शुभ गुप्ता, आदित्य जावर, आदर्श प्रजापति के दल ने उपविजेता का स्थान प्राप्त किया।

नहीं रहे अजय पटेल



तेंदूखेड़ा। विगत दिवस समीपी ग्राम खेरुआ के प्रतिष्ठित अजय पटेल का अचानक हृदय गति रुक जाने के कारण असमय दुःखद निधन हो गया। अजय पटेल सेवा सहकारी समिति इमहरिया में सेल्वमेन के रुम में पदस्थ एमएच मिलनसार अजय जिलापाल पटेल सौताराम पटेल के भाई तथा हरिओम पटेल के पूज्य पिता थे। क्षेत्र के सभी वर्गों के लोगों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अंतिम विदाई दी।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 5 को

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शरद्वेय नरनाथ का त्यौहार 11 अक्टूबर से मनाया जायेगा। जिले में शांतिपूर्वक त्यौहार मनाये जाने के संकेध में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक सोमवार 5 अक्टूबर को सायं 5:30 बजे नरसिंह भवन कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में आयोजित की जायेगी। यह जानकारी अपर कलेक्टर नरसिंहपुर ने दी है।

कागजों में चल रहा मेटेनैस: आये दिन घटित हो रही दुर्घटनायें

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा से गाडरवारा सड़क पर आये दिन घटने दुर्घटनायें घटित हो रही है। और जवाबदार केवल कागजों में खाना पूर्ति में लगे हुए हैं। तेंदूखेड़ा से गाडरवारा की दूरी 32 किलोमीटर है। सड़क का निर्माण 15 वर्ष पूर्व हुआ था। जिसकी देखरेख और मेटेनैस का कार्य एम पी आरडीसी का है।मेटेनैस का ठेका भी बी व्ही एस आर कंपनी का था यह कंपनी हैदराबाद की है जिसका आफिस गाडरवारा में है। गाडरवारा के डी पी एम की देखरेख में इसका मेटेनैस होना था सड़क के मेटेनैस का यह अंतिम वर्ष है। लेकिन एम पी आर डीसी के अधिकारियों और कंपनी के डीपीएम द्वारा कागजों सड़क का मेटेनैस कराया जा रहा है। सड़क पर साईड सोल्डर नहीं बनाए गये हैं।सड़क पर अनेक स्थानों पर आधा से एक फिट नीचे साईड पट्टी हो गई है जिसमें बजरा मुयम नहीं डलवाने से बरसात का पानी एकत्रित हो गया और सड़क की साइड पटी पर दलदल बन गई है ।जिससे वाहन चालकों को क्रासिंग में अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। और क्रासिंग के समय यदि वाहन सड़क के नीचे साइड पट्टी पर उतारते हैं तो वाहन दुर्घटना का शिकार होते हैं। पिछले एक माह में 10 से 15 वाहन दुर्घटना का शिकार हो चुके हैं जिसमें करोदी तिगडा पर डम्पर पलट गया था। भामा में भी एक डम्पर साइड में उतरने से पलट गया था य्वरी तिगडडा पर भी रात्रि के समय क्रासिंग लेते समय एक ट्रक साइड में उतर कर धस गया था जैसे अनेकों उदाहरण है।एक सप्ताह पूर्व राधा स्वामी सत्संग के समीप तेंदूखेड़ा में भी एक डम्पर पलट गया था कार मोटरसाईकिल चालक भी दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं।।बरसात के पूर्व मेटेनैस के नाम पर कंपनी द्वारा साईड में पीली मिट्टी डलवाई जा रही थी।।लीपापोती के बाद वह कार्य भी बंद हो गया है। तेंदूखेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी ग्राम वासियों ने तत्काल प्रभाव से इस सड़क मार्ग की उचित व्यवस्था की मांग की है। क्योंकि अधिकांश लोगों का इसी मार्ग से गाडरवारा जाने आने का काम चलता है।

